में किशोरों की काउंसलिंग तक करानी पड़ रही है।

प्रशिक्षण के लिए शिक्षिका रीतू शर्मा का चयन

बरेली। नई शिक्षा नीति के तहत देश के 30 केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षकों को

नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली में नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग कार्यक्रम के तहत पूरे देश से 90 हजार से अधिक शिक्षकों के आवेदन लिए गए थे। इनमें से 60 शिक्षकों का चयन किया गया है, जिसमें बरेली के केवी जेएलए 2 की शिक्षिका रीतू शर्मा का नाम शामिल है। उन्हें उनके नवाचारों के लिए चयनित किया गया है। प्रशिक्षण के बाद ये प्रशिक्षक पूरे देश में शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। ब्यूरो

तैराकी के ट्रायल पांच को

बरेली। सीनियर महिला और पुरुष वर्ग की राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 10-11

डॉ. हेमा खन्न

नई प्रक्रिया तहत होगा अनुदेशकों नवीनीकरण

अम

नई दिल्ली। परीक्षाओं की तैय के लिए अमर 'इयर बुक 2 संस्करण लॉन्च संशोधित संस्कर की खबरों व किया गया है। एससीओ में वि जी-20 सम्मेल का शाही राज्या हाल सहित रा पर घटित कई विस्तार से कवर गौरतलब है

एनएमएम प्रोग्राम के लिए ऋतु चुनी गईं

उपलब्धि

■ प्रशांत मिश्र

कानपुर। भारत सरकार की ओर से लागू नई शिक्षा नीति-2020 के प्रसार के लिए सरकार की संवैधानिक संस्था राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग प्रोग्राम के लिए बनाए गए 60 शिक्षाविद् के पैनल में शहर की ऋतु शर्मा का भी चयन हुआ है। ऋतु फिलहाल बरेली के केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। मूल रूप से जाजमऊ जेके कॉलोनी निवासी ऋतु शर्मा 20 वर्षों से केंद्रीय विद्यालय में अध्यापन का कार्य करती हैं। बरेली के केंद्रीय विद्यालय-2 में तैनाती है। ऋतु ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की ओर से नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग प्रोग्राम शुरु किया गया है। जिसके तहत नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों व शिक्षा में नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए 60 शिक्षाविदों को चुना गया है। 90 हजार आवेदन आए : शिक्षा मंत्रालय की ओर से एनसीटीई को मेंटर की श्रंखला तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई। इसके बाद नेशनल मिशन फॉर मेंटोर के लिए 90 हजार लोगों ने आवेदन किया।

नेशनल पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं ऋतु : केंद्रीय विद्यालय के प्राइमरी विभाग की शिक्षिका ऋतु ने कक्षा के कमजोर बच्चों को उनकी तस्वीरों और आवाज का प्रयोग कर पढ़ाया। परिणाम बेहतर आए। जिसके बाद उन्हें केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर वर्ष 2018-19) में नेशनल इनोवेशन एंड एक्सपेरिमेंटेशन अवार्ड दिया गया।

दिल्ली में दो दिवसीय कार्यशाला : दिल्ली के द्वारका सेक्टर दस में दो दिवसीय 31मई व 1 जून को कार्यशाला आयोजित की गई।